भारत सरकार

शक्षा मंत्रालय

स्कूल शक्षा और साक्षरता वभाग

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या- 1171

उत्तर देने की तारीख-08/12/2025

दो बोर्ड परीक्षाएं

†1171. डॉ. मल्लू र वः

क्या शक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) कक्षा 10 और 12 के लए 'दो बोर्ड परीक्षाओं' के सर्वप्रथम चक्र, जो 2024-25 शैक्ष णक सत्र (नवंबर-दिसंबर 2024 में पहली परीक्षा) के लए छात्रों की उपस्थिति में आयोजित कया जा रहा है, के आ धकारिक आंकड़ों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इस नए द् व-वा र्षक परीक्षा प्रारूप के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लए नई पाठ्यपुस्तकों और शक्षक प्र शक्षण की उपलब्धता सहित की गई सम्भार-तंत्रीय और वत्तीय तैयारियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में इस नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) द्वारा अनिवार्य परीक्षा संरचना को अपनाने के लए व भन्न राज्य परीक्षा बोर्डों के साथ आम सहमति बनाने की स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): केंद्रीय माध्य मक शक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने एनईपी-**2020** की सफारिशों के अनुसार वर्ष **2026** से कक्षा **X** के लए दो बोर्ड परीक्षा आयोजित कराने का निर्णय लया है। कक्षा **X** की पहली परीक्षा फरवरी-मार्च 2026 में आयोजित की जाएगी, जिसके लए 2513847 उम्मीदवारों ने नामांकन कराया है और द् वतीय परीक्षा के लए उम्मीदवारों की सूची (एलओसी) परिणाम घो षत होने के बाद बताई जाएगी। इस लए, मई/जून 2026 के दौरान द् वतीय बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या का कोई अनुमान नहीं है।

जहां तक दो बोर्ड परीक्षाओं के आयोजन का संबंध है, सीबीएसई बोर्ड के अनुमोदित मानदंडों के अनुसार सभी व्यवस्थाएं कर रहा है और साथ ही सभी संबं धत हितधारकों हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।

राष्ट्रीय शक्षा नीति (एनईपी), **2020,** और उसके बाद एनसीईआरटी द्वारा वर्ष 2023 में तैयार राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-स्कूल शक्षा (एनसीएफ-एसई) में राष्ट्रीय स्तर पर पाठ्यचर्या और पाठ्यपुस्तकों के लए व्यापक मार्गदर्शक सद्धांत का उल्लेख है। एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों को इन फ्रेमवर्क के अनुरूप तैयार कया गया है। एनईपी, **2020** के पैरा **4.32** में बताया गया है क, "राज्य अपने स्वयं के पाठ्यक्रम (जो यथासंभव एनसीईआरटी द्वारा तैयार एनसीएफएसई पर आधारित हो सकते है) तैयार करेंगे और पाठ्यपुस्तकें (जो यथासंभव एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक सामग्री पर आधारित हो सकती हैं) तैयार करेंगे, जिसमें राज्य के स्वादों और सामग्री को आवश्यकतानुसार शा मल कया जा सकेगा। ऐसा करते समय, यह ध्यान में रखना चाहिए क एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य मानदंड के रूप में अपनाया जाएगा।"

एनईपी, 2020 के पैरा 4.37 में बताया गया है क सभी छात्रों को " कसी भी स्कूल वर्ष के दौरान दो बार बोर्ड परीक्षा, एक मुख्य परीक्षा और दूसरी सुधार के लए देने की अनुमति दी जाएगी।" इस प्रावधान का उद्देश्य छात्रों में तनाव को समाप्त करना और लचीलापन, वकल्प और दोषरहित आत्म-सुधार का अवसर प्रदान करना है। परख एनसीईआरटी सभी राज्य वद्यालय बोर्डों के साथ जुड़ रहा है ता क पाठ्यचर्या और आकलन में समानता लाई जा सके।

तथा प, चूं क शक्षा सं वधान की समवर्ती सूची का एक वषय है, इस लए राज्य बोर्डों के तहत स्कूलों में एनईपी के व भन्न पहलुओं का कार्यान्वयन संबं धत राज्य सरकारों के अ धकार क्षेत्र में है।

*****